राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 27 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-300 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में बच्चों के लिए सोशल-मीडिया बैन हो

● मद्रास हाईकोर्ट की लोगों को सलाह, कहा-पैरेंटल कंट्रोल मिले ● ऑस्ट्रेलिया जैसे सख्त कानून पर विचार करने का सुझाव दिया

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए।

कोर्ट ने कहा कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मदुरै बेंच की डिवीजन बेंच जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस के के रामकृष्णन ने यह बात नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक कंटेंट आसानी से मिल जाने के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील के पी

एस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के नए कानून का हवाला दिया था।

कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल विंडो सर्विस (पैरेंटल कंट्रोल) देने के लिए कहा जाए, जिससे माता-पिता अपने बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी को फिल्टर और कंट्रोल कर सकें। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने 9 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर अकाउंट बनाने पर बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस तरह का बैन लगाने वाला दुनिया का पहला देश है। यह मामला एक पुरानी जनहित याचिका से जुड़ा है, जिसमें शिकायत की गई थी कि बच्चों को इंटरनेट पर अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट बहुत आसानी से मिल जाती है। इस पर रोक के लिए ठोस व्यवस्था नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, तमिलनाडु बाल अधिकार आयोग और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को निर्देश दिया जाए कि वे पैरेंटल कंट्रोल सिस्टम लागू करें और स्कूलों व समाज में बड़े स्तर पर जागरुकता अभियान चलाएं।

● **सरकार और आयोग जागरुकता अभियान तेज करें**- जब तक नया कानून नहीं बनता, तब तक सरकार और आयोग जागरुकता अभियान तेज करें और बच्चों व माता-पिता को सुरक्षित इंटरनेट इस्तेमाल के तरीके सरल भाषा में समझाएं। स्कूलों, मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए बच्चों और अभिभावकों को सुरक्षित इंटरनेट के बारे में बताया जाए। मजबूर किया जाए कि वे पैरेंटल विंडो/पैरेंटल कंट्रोल जैसी सुविधा आसान तरीके से उपलब्ध कराएं।

पहली बार बेटे को लेकर प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे पायलट

● जयपुर में हनुमान बेनीवाल ने हटवाया मंच, एनएसयूआई का 'अरावली बचाओ' पैदल मार्च

जयपुर (एजेंसी)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया राजस्थान का जयपुर में अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ अभियान के तहत पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहे पर मार्च को रोक लिया। पुलिस ने चेतावनी दी कि प्रदर्शन की अनुमति यहां तक की थी। आगे बढ़ने की कोशिश की गई तो कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद मार्च पूरा हो गया। उधर, मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने बेटे अरान पायलट के साथ शामिल हुए। यह ऐसा पहला मौका है, जब किसी राजनीतिक प्रदर्शन में बेटे को साथ लेकर पायलट आए। सचिन पायलट ने कहा- हमें इस बात पर चिंतन करना होगा कि क्या मजबूरी है। किस कारण से इस अरावली की पूरी पहाड़ियों को बीजेपी खतरे की ओर धकेल रही है। आज भी सैकड़ों जगह पहाड़ियों पर अवैध खनन चल रहा है। बच्चा-बच्चा जानता है। आप कोर्ट में क्या हलफनामा देते हो, यह अलग बात है।

धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है, दोनों की मंजिल एक

● भागवत बोले-भारत को सुपरपावर ही नहीं, विश्वगुरु भी बनना चाहिए

तिरुपति (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत आंध्र प्रदेश के तिरुपति दौरे पर हैं। भारतीय विज्ञान सम्मेलन में उद्घाटन

कार्यक्रम में शुक्रवार को भागवत ने कहा- भारत का आगे बढ़ना तय है। लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं, बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। हमारे विकास की सोच का आधार धर्म है। धर्म सिर्फ मजहब नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ब्रह्मांड के चलने का तरीका है। इससे पहले आरएसएस चीफ ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए। तिरुपति टाउनशिप के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुजारियों ने उन्हें रेशमी कपड़े पहनाकर सम्मानित किया। मोहन भागवत ने कहा कि हमें लोगों को पुरानी और नई अंधविश्वासों से बाहर निकालने में मदद करनी चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं के समय कई बार मंदिर अपनी मजबूत बनावट के कारण सुरक्षित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि 10,000 साल तक पारंपरिक खेती से जमीन सुरक्षित रही, लेकिन ज्यादा रासायनिक खाद के इस्तेमाल से समस्याएं पैदा हुईं।

टैंक, ड्रोन, मिसाइल और... डिफेंस सिस्टम पर मुहर

● रक्षा मंत्रालय इस दिन कर सकता है बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस मिनिस्ट्री की हथियार खरीद से जुड़ी शीर्ष संस्था रक्षा अधिग्रहण परिषद आज महत्वपूर्ण बैठक थी। इसमें भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए कई बड़े स्वदेशी रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिलने की संभावना थी। हालांकि, विभाग की शुक्रवार को होने वाली मीटिंग शुरू हुई। जिसमें सभी लोग मौजूद नहीं थे इसलिए एजेंडे पर बात नहीं हुई। ऐसे में इमरजेंसी प्रॉक्यूरमेंट की लास्ट डेट बढ़ाकर 15 जनवरी कर दी गई है। ऐसी चर्चा थी कि 80 हजार करोड़ की डिफेंस डील पर डीएसी की आज होने वाली बैठक में मुहर लग सकती है, लेकिन अब इस पर 15 जनवरी को फैसला होगा। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना और स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसमें दिल्ली-एनसीआर को हवाई हमलों से बचाने के लिए एक स्वदेशी इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को मंजूरी की चर्चा थी। यह सिस्टम दिल्ली और आसपास के इलाकों को एयर स्ट्राइक से सुरक्षा मुहैया कराएगा। हालांकि, इस पर शुक्रवार को फैसला नहीं हो सका। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली बैठक में सेना के लिए जरूरी सैन्य सिस्टम पर चर्चा हुई।

● **सेना, नौसेना, एयरफोर्स की बढ़ेगी ताकत**- अब 15 जनवरी को होने वाली रक्षा मंत्रालय की अहम मीटिंग में सेना, नौसेना, वायुसेना के लिए महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर चर्चा होगी। नौसेना अपने युद्धपोतों को मिसाइल हमलों से बचाने के लिए स्वदेशी मीडियम-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम खरीदना चाहती है। इस प्रस्ताव पर मंजूरी को लेकर फैसला हो सकता है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से दो सी गार्डियन ड्रोन तीन साल के लिए लीज पर लेने का फैसले के आसार है। भारत पहले ही ऐसे 31 ड्रोन खरीदने का सौदा कर चुका है, जो 2028 से भारत आने शुरू हो जाएंगे। ये ड्रोन लंबी दूरी तक निगरानी और हमला करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्रालय भारतीय वायु सेना के लिए भी अहम डील पर विचार कर रहा।

हाय सर्दी... कश्मीर में माइनस चार पहुंचा पारा

● दिल्ली-एनसीआर की रफ्तार थमी, उत्तर भारत में भीषण ठंड ● पहाड़ों पर बर्फबारी का अलर्ट जारी, शीतलहर का प्रभाव बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रभाव जारी है। कश्मीर से लेकर दिल्ली तक सर्दी ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। कश्मीर में 40 दिनों की सबसे भीषण ठंड की अवधि चिल्ला-ए-कलां अपने चरम पर है। दिल्ली एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में 26 और 27 दिसंबर को येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें सुबह-शाम कम विजिबिलिटी और शीतलहर की संभावना जताई गई है। श्रीनगर मौसम विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान शून्य से 3 से 5 डिग्री नीचे चला गया है। डल झील और पानी के नलों में बर्फ जमने लगी है, जिससे स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गुलमर्ग और

पहलगाम में सैलानी बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे हैं। बढ़ती ठंड और कोहरे को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर रहने की सलाह दी है।

जेन जेड के कॉन्फिडेंस के मुरीद हुए पीएम मोदी

● कहा-आपकी पीढ़ी हमें नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी ● क्रिकेटर वैभव समेत 20 बच्चों को बाल पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को क्रिकेटर वैभव सूर्यवंसी समेत 20 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों-जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है। इसके साथ ही उन्होंने जेन जेड के कॉन्फिडेंस पर पूरा भरोसा जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि जेन जेड, जेन अल्फा और उनकी जनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी, मैं जेन जेड की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं। पीएम मोदी ने जेन जेड, जेन अल्फा से नेतृत्व करने का आग्रह किया।

पहले युवा सपने देखने से डरते थे

अतीत की निराशा की तुलना वर्तमान अवसरों से करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा पहले कि युवा सपने देखने से डरते थे क्योंकि पुरानी व्यवस्था ने निराशा का माहौल पैदा कर दिया था। लेकिन अब, देश प्रतिभा की तलाश करता है और 140 करोड़ नागरिकों की शक्ति से मजबूत प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। उन्होंने इंटरनेट, स्टार्टअप मिशन और केंद्रित विकास के लिए प्लेटफॉर्म जैसे संसाधनों पर प्रकाश डाला। पीएम मोदी का मुख्य फोकस नई शिक्षा नीति पर था, जो रटने के बजाय व्यावहारिक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच और सवाल पूछने को प्राथमिकता देती है। पीएम मोदी ने कहा कि पहली बार सरकार नई लर्निंग और सोचने की प्रक्रिया को विकसित करने पर ज्यादा ध्यान दे रही है और इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स की तारीफ की।

● बिहार में कांग्रेस का 'ऑपरेशन' संगठन अभियान

भितरघातियों और सुस्त नेताओं की अब खैर नहीं

पटना (एजेंसी)। देर से ही सही पर प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने दुरुस्तगी के साथ ऑपरेशन संगठन अभियान छेड़ दी है। इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को चिह्नित कर पार्टी को एक मजबूत संगठन के हाथ सौंपना है। इस संगठन को बदलने का आधार बिहार विधानसभा चुनाव में भितरघात करने वाले या फिर निष्क्रिय रहे लोगों से पार्टी को मुक्त कराना है। इस महत्वपूर्ण उद्देश्य के आड़े पुराने और नए पर्यवेक्षक के हाथों कांग्रेस को सुरक्षित और सुगठित पार्टी बनाने

की जिम्मेदारी है। संगठन को मजबूती देने के लिए कांग्रेस उन तमाम शिकायतों को जांच करेगी जो उन्हें उनके उम्मीदवारों ने या साथी दल के उम्मीदवारों से मिली है। कांग्रेस ऐसे पदाधिकारी को काफी सख्त निर्णय लेने जा रही है। इस कार्य के लिए कांग्रेस आलाकमान ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने पर्यवेक्षक को भेजेगी। जिन पर्यवेक्षक के बारे में शिकायत आई है उन पर प्रदेश कमिटी की सूचना पर निर्णय लिया जायेगा। कांग्रेस आलाकमान इस पर विचार कर कही कही नए पर्यवेक्षक भी बना सकती है।

● अब केरल में भी भगवा

बीजेपी ने रचा इतिहास

● तिरुवनंतपुरम में पहली बार बना पार्टी का महापौर

एलडीएफ के 40 सालों के शासन का किया अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दक्षिणी राज्य केरल में इतिहास रच दिया है। शुक्रवार दोपहर को वीवी राजेश ने राजधानी तिरुवनंतपुरम के मेयर के तौर पर शपथ ली। पदभार संभालने के बाद अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने कहा, हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे... सबको साथ लेकर चलेंगे।

सभी 101 वार्डों में विकास किया जाएगा... तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर में बदला जाएगा। इन चुनावों में भाजपा ने 101 में से 50 वार्डों में जीत हासिल की थी। ये केरल में किसी नगर निगम में उसकी पहली जीत है। शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में राजेश को 51 वोट मिले, जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। एलडीएफ के पी. शिवाजी को 29 वोट मिले, जबकि यूडीएफ उम्मीदवार के. एस. सबरिनाथन को 19 वोट मिले, जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया। बाद में राजेश ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन के मेयर के तौर पर शपथ ली।

भाजपा के लिए नए अध्याय की शुरुआत

एलडीएफ के लगभग चार दशकों के शासन के बाद अब कॉर्पोरेशन पर भाजपा का कब्जा है। राजेश का मेयर बनना केरल की शहरी राजनीति में भाजपा के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है। राज्य की राजधानी में इस जीत ने शहर के नगर निकाय पर सीपीएम के 45 साल के कंट्रोल को खत्म कर दिया। समारोह के बाद केरल बीजेपी प्रमुख राजीव चंद्रशेखर ने पत्रकारों से कहा, एलडीएफ ने कांग्रेस के समर्थन से तिरुवनंतपुरम को बर्बाद कर दिया है।

ब्रह्मोस का नया वर्जन तैयार कर रहा अपना भारत

● रेंज 450-800 किमी तक, दिल्ली से इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 6 एयरबेस को तबाह कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई भारत की सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल अब और भी ताकतवर होने जा रही है। रक्षा सूत्रों के अनुसार ब्रह्मोस की रेंज, रफ्तार और मारक क्षमता को और बेहतर किया जा रहा है। फिलहाल इसकी रेंज करीब 300 किलोमीटर है, लेकिन नए वर्जन में इसे 450 किलोमीटर से लेकर 800 किलोमीटर तक करने पर काम चल रहा है। इन नई मिसाइलों के आने के बाद दिल्ली से ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा। दिल्ली और इस्लामाबाद की हवाई दूरी 700 किलोमीटर है। वहीं, ब्रह्मोस का हल्का वर्जन भी बनाया जा रहा है। ब्रह्मोस का करीब ढाई टन वजनी खास वर्जन सुखोई एमकेआई-30 लड़ाकू विमान के नीचे (अंडरबेली) लगाने के लिए तैयार किया गया है। यह वर्जन अब प्रोजेक्ट डिजाइन बोर्ड से मंजूरी के बाद अगले चरण में पहुंच गया है। अभी ज्यादा रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल के ग्राउंड ट्रायल की तैयारी चल रही है। इस नए वर्जन के अगले तीन साल में पूरी तरह विकसित होने की उम्मीद है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक रहा।

● **2016 से चल रही तैयारी, अब 3 रेंज वाले अवतार**-ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज और घातक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। यह दागो और भूल जाओ तकनीक पर काम करती है और मैक-3 (ध्वनि की गति 332 मी./सेकेंड से तिगुनी) की रफ्तार से टारगेट पर हमला करती है। इसकी तेज गति के कारण दुश्मन के रडार इसे समय रहते पकड़ नहीं पाते। ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2016 में मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम का सदस्य बना। इस रिजीम में 35 देश शामिल हैं। इसके बाद ही ब्रह्मोस की रेंज को 300 किमी से आगे बढ़ाने पर काम शुरू हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है।

अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से '100 मीटर ऊंचाई' जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि 'नियंत्रित' शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्त्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निमार्ताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

संपादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए संदेश भेजने की कोशिश हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में निवेश संबंधी अनेक प्रमुख शर्तों को आसान करने का निर्णय लिया गया है। आशा की गई है कि इससे बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश आएगा, जिससे कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार हालिया गिरावट से उपजी समस्या से राहत मिलेगी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? अगर पिछले अनुभव पर ध्यान दें, तो इसकी संभावना कम लगती है। 2021 में केंद्र ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ा कर 49 से 74 फीसदी की थी। मगर उससे फैसले से विदेशी बीमा कंपनियां भारत की ओर आकर्षित नहीं हुईं। ना ही भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में उनके निवेश में कोई ठोस बढ़ोतरी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जब से बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए खोला गया, लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का बाहरी निवेश आया है। लेकिन यह अधिकांशतः भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में आया। मुमकिन है, ताजा फैसले से वैसे निवेश में कुछ बढ़ोतरी हो। मगर भारतीय बीमा बाजार के मूल ढांचे में किसी गुणात्मक परिवर्तन की संभावना कम ही है। इसका कारण इस बाजार का सीमित आकार है। भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों को जीवन बीमा सुरक्षा हासिल है। सामान्य बीमा की पैठ तो महज एक फीसदी आबादी तक है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम ही है। बाकी लोगों की जेब किसी तरह की बीमा पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। जब तक यह सूरत नहीं बदलती, बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी? यह स्थिति कैसे बदले, इसकी कोई दृष्टि सरकार ने सामने नहीं रखी है।

त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक गुरू गोबिंद सिंह

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक ही रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी।

'बिचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा'' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को ह्यपंज प्यारेह्व चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

चिंतन-मनन

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए।

खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

पूरी दुनिया गांधी की कायल, पर हम नाम मिटाने में मशगूल

दिलीप कुमार पाठक

मनरेगा से गांधी जी के नाम को हटाना केवल और केवल घटिया राजनीति का नमूना है, ये देश दुनिया के लिए हैरान करने वाला है ' क्या गांधी का नाम इतना भारी था कि उसे हटाना पड़ा? आज संपूर्ण विश्व न केवल महात्मा गांधी को नमन करता है, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन के आधार स्तंभ के रूप में स्वीकार करता है। वे मात्र एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि एक शाश्वत वैश्विक आइकन हैं, जिनके विचार समय की सीमाओं को लांघकर हर युग में प्रासंगिक बने हुए हैं।

विश्व के महानतम विभूतियों की श्रेणी में गांधी जी का नाम सर्वोच्च सम्मान के साथ अंकित है। उनके विचार आज भी मानवता के लिए एक मशाल की तरह हैं, जो घृणा और हिंसा के अंधकार में शांति, सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गांधी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विश्व-पथप्रदर्शक हैं। अपनी अडिग विचारधारा और नैतिक बल के कारण वे सीमाओं से परे, विश्व के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी विरासत आज भी एक बेहतर और न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण की प्रेरणा देती है। गांधी जी कितने महान हैं इस बात से समझा जा सकता है कि जब भारत में जी - 20 समिट हुआ तब दुनिया के शीर्ष नेताओं ने नंगे पैर जाकर गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी, आज भी जब दुनिया का कोई शीर्षस्थ इंसान आता है तो वो सबसे पहले गांधी जी को प्रणाम करने आता है, क्योंकि हमारे देश में गांधी जी से ज़्यादा सुन्दर, विराट, अतुलनीय विरासत कुछ और नहीं है ' महात्मा गांधी की वैचारिक आभा आज संपूर्ण विश्व में दैदीप्यमान है। वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि वे आधुनिक इतिहास की उन विरलतम हस्तियों में शुमार हैं जिनकी स्मृतियों को विदेशों ने सर्वाधिक सम्मान के साथ संजोया है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अनुसार, विश्व के कम से कम 102 राष्ट्रों में बापू की मूर्तियां और स्मारक श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इनमें से 82 देशों में उनकी भव्य पूर्ण आकार की प्रतिमाएं राष्ट्रपिता के कद की वैश्विक स्वीकृति को दशार्ती हैं। अमेरिका वह राष्ट्र है जहाँ भारत के बाहर गांधी जी के सर्वाधिक स्मारक स्थित हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड और अर्जेंटीना जैसे शक्तिशाली देशों के प्रमुख नगरों में उनकी प्रतिमाएं शांति और सद्भाव का संदेश दे रही हैं। गांधी जी का सम्मान केवल मूर्तियों तक सीमित नहीं है; विश्व के 150 के करीब देशों ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किए हैं और अनगिनत सड़कों व शैक्षणिक संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और जोहान्सबर्ग की गलियां आज भी उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों की गवाह हैं। आज समूचा विश्व बापू के जीवन दर्शन का अध्ययन कर रहा है। यह भारतवर्ष का परम सौभाग्य और गौरव है कि ऐसे महामानव हमारे पूर्वज रहे हैं, जिन्होंने न केवल भारत को स्वतंत्र कराया, बल्कि पूरी मानवता को जीने की एक नवीन दृष्टि प्रदान की।

पूरी दुनिया जब हमारे पूर्वज गांधी जी को पूज रही है यहां तक कि यूरोप, अमेरिका में गांधी जी को ईसा मसीह की तरह माना जाता है, लेकिन हम कितने कृतघ्न हैं कि हम आज गांधी जी के नाम को योजनाओं से हटा रहे हैं! दुनिया जब इस बात को जानेगी तो हम पर हँसेगी कि इससे कृतघ्न क्या कोई समाज हो सकता है, जिसकी रोज वंदना होना चाहिए, उनके प्रति हम असम्मान जाहिर करें? मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि नाम बदलने से नहीं, गांधी के सिद्धांतों पर चलने से होगा विकसित भारत।

ये बात मैं इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मोदी सरकार ने मनरेगा यानि गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटा दिया है, जो सुनकर ही मन कचोट कर रह गया ' नए अधिनियम (VB-G RAM G Act, 2025) के तहत योजना के नाम से महात्मा गांधी हटा दिया गया है। पहले इसकी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य की फंडिंग का अनुपात बदल गया है। पहले केंद्र सरकार 90% खर्च उठाती थी, लेकिन अब यह 60% (केंद्र) और 40% (राज्य) कर दिया गया है। अगर राज्यों के पास बजट न हुआ और राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से इंकार किया तो सरकार के पास इसका कोई समाधान है? लगता है जैसे मोदी सरकार कोई भी काम सनसनी फैलाने के लिए ही कर रही है क्योंकि निर्णयों में कोई दूरदर्शिता नहीं है, चूंकि कई बार मोदी सरकार ने आलोचनाओं या खुद भी मूल्यांकन के बाद कई बार अपने नियमो, कानूनो को खुद ही बदला है ' परंतु इस बार देश के महान राष्ट्रपिता का नाम देश की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना से उनका नाम हटाना घटिया राजनीतिक कुचक्र को दशार्ता है '

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाइटन 'बीऑन' ब्रांड नाम से लैब में बने हीरे के कारोबार में उतरेगी

नई दिल्ली टाटा समूह की अग्रणी आभूषण निर्माता कंपनी टाइटन ने शुक्रवार को 'बीऑन - फ्रॉम द हाउस ऑफ टाइटन' ब्रांड लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी 29 दिसंबर को मुंबई में पहला स्टोर खोलेगी। 'बीऑन' ब्रांड घड़ियां, इत्र, साड़ियां और हैंडबैग जैसी जीवनशैली श्रेणियों के अलावा महिलाओं की आभूषण संबंधी जरूरतों पर केंद्रित होगा। टाइटन निकट भविष्य में मुंबई और दिल्ली में दो और स्टोर खोलने की योजना बना रही है। भारत में पिछले 2-3 वर्षों में प्रयोगशाला में बने हीरों का बाजार तेजी से बढ़ा है, और टाइटन इस उभरती श्रेणी में भागीदारी बढ़ाना चाहती है।

इस साल औद्योगिक-लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

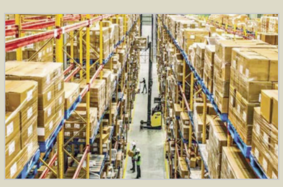

नई दिल्ली इस साल भारत में औद्योगिक और लॉजिस्टिक क्षेत्रों की मांग अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। रियल एस्टेट कंपनी सेविल्स इंडिया के अनुसार, 24 बड़े शहरों में कुल 7.65 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई, जो पिछले साल 6.45 करोड़ वर्ग फुट थी। पट्टे पर ली गई जगह का 29 फीसदी हिस्सा निर्माण क्षेत्र, 28 फीसदी हिस्सा तृतीय पक्ष लॉजिस्टिक कंपनियों और 12 फीसदी हिस्सा ई-कॉमर्स कंपनियों ने लिया। अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और पुणे में कुल पट्टेदारी में 20 फीसदी वृद्धि हुई। दिल्ली-एनसीआर सबसे अच्छा क्षेत्र रहा, जहां इस साल 1.3 करोड़ वर्ग फुट जगह पट्टे पर ली गई।

दिल्ली में जीआरएपी-3 लागू, पेट्रोल पंपों में कन्फ्यूजन

नई दिल्ली दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार होने के कारण जीआरएपी-4 हटाकर जीआरएपी-3 लागू कर दिया गया। इससे इंडस्ट्री, बिजनेस और ट्रांसपोर्ट को राहत मिली और कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर लगी पाबंदियां भी हटा दी गईं। हालांकि दिल्ली सरकार ने कहा कि नो पीयूसी, नो फ्यूल अभियान जारी रहेगा, लेकिन कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया। इससे पेट्रोल पंप ऑपरेटरों में भ्रम पैदा हो गया है कि अब फ्यूल कैसे दिया जाएगा। अभियान के दौरान लगभग 2.5 लाख पीयूसी सर्टिफिकेट जारी किए गए और 10,000 से अधिक गाड़ियां इंस्पेक्शन में फेल हुईं। यह अभियान वायु गुणवत्ता सुधार में असरदार साबित हुआ है। डीलर्स का कहना है कि स्पष्ट आदेश जारी होना जरूरी है, ताकि कानून-व्यवस्था में कोई समस्या न आए और अभियान प्रभावी तरीके से जारी रह सके।

अडाणी ग्रुप ने 86,000 करोड़ की 33 डील्स पूरी की

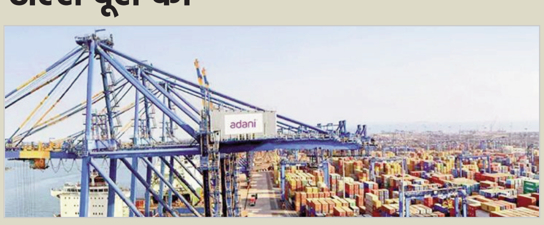

पोर्ट्स और सीमेंट में सबसे ज्यादा निवेश

मुंबई जनवरी 2023 से अब तक अडाणी ग्रुप ने 33 कंपनियों और प्रोजेक्ट्स में कुल 86,000 करोड़ रुपए का निवेश किया। सबसे अधिक निवेश पोर्ट्स (28,145 करोड़) और सीमेंट (24,710 करोड़) सेक्टर में हुआ। पावर सेक्टर में 12,251 करोड़, ट्रांसमिशन/डिस्ट्रीब्यूशन में 2,544 करोड़ और नए बिजनेस में 3,927 करोड़ रुपए खर्च हुए। अडाणी पोर्ट्स ने अप्रैल 2023 में ऑस्ट्रेलिया का एनक्यूएक्सटी टर्मिनल 21,700 करोड़ रुपए में खरीदा। इसके अलावा कराईकल, गोपालपुर, एस्ट्रो ऑफशोर और तंजानिया का दार एस सलाम पोर्ट भी अधिग्रहित किए गए। अंबुजा, एसीसी, पेन्ना और आईटीडी सीमेंटेशन जैसी कंपनियों में हिस्सेदारी खरीदी गई। पावर सेक्टर में लैंको, विदर्भ इंडस्ट्रीज और कोस्टल एनरजन शामिल हैं। जनवरी 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों की मार्केट वैल्यू 1 लाख करोड़ कम हुई। सेबी ने सितंबर 2023 में आरोप खारिज किए।

न्यूजीलैंड में सुजुकी फ्रॉन्क्स की बिक्री पर लगाई रोक

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड में सुजुकी फ्रॉन्क्स की सेल्स पर मारुति सुजुकी ने रोक लगा दी है। मारुति सुजुकी ने यह फैसला फ्रॉन्क्स क्रैश टेस्ट में मिली 1 स्टार रेटिंग के बाद लिया है। कंपनी की सुजुकी फ्रॉन्क्स को ऑस्ट्रेलेशियन न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (एएनसीएपी) क्रैश टेस्ट में सिर्फ 1 स्टार रेटिंग मिली है।

टेस्ट में रियर पैसेंजर सीटबेल्ट फेल हो गया, जिससे डमी अनकंट्रोल्ड होकर आगे की सीट से टकरा गई। एएनसीएपी ने इसे रेयर लेकिन सीरियस सेफ्टी इश्यू बताया। न्यूजीलैंड में बिकी 1,115 फ्रॉन्क्स के ओनर्स को एडवाइजरी जारी की गई कि रियर सीट्स में पैसेंजर्स न बिठाएं। एएनसीएपी ने फुल-विड्थ फ्रंटल टेस्ट में रियर सीटबेल्ट फेलियर नोट किया। इससे रियर डमी पूरी तरह अनरिस्ट्रेंड हो गई। एएनसीएपी सीईओ कार्ला हूरवेग ने कहा, सीटबेल्ट फेलियर रेयर और सीरियस है। रियर सीट्स में एडल्ट और चाइल्ड पैसेंजर्स न बैठें जब तक फेलियर की वजह पता चलकर फिक्स न हो जाए। कार को एडल्ट और चाइल्ड ओक्यूपेंट प्रोटेक्शन में लो स्कोर दिया गया है।

सुजुकी ने कहा कि सेफ्टी सबसे ऊपर है, हाई लेवल पर जांच चल रही है। फ्रॉन्क्स न्यूजीलैंड में जून 2025 और ऑस्ट्रेलिया में अगस्त 2025 से बिक रही थी।

2025 में आईपीओ से कंपनियों ने 2 लाख करोड़ जुटाए

पिछले दो साल में 701 आईपीओ से 3.8 लाख करोड़ आए

मुंबई 2025 में कंपनियों ने 365 से ज्यादा इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए रिकॉर्ड 1.95 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसमें मेनबोर्ड के 106 आईपीओ के जरिए 1.83 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए, ये कुल राशि का 94 प्रतिशत है। ये जानकारी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की स्ट्रैटजी रिपोर्ट में सामने आई है। आईपीओ के प्रदर्शन के मामले में पिछला साल यानी 2024 भी काफी मजबूत रहा। 2024 में 336 आईपीओ से 1.90 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। पिछले दो साल में कुल 701 आईपीओ से 3.8 लाख करोड़ रुपए आए। ये 2019 से 2023 के पूरे पांच सालों में जुटाए गए 3.2 लाख करोड़ रुपए से काफी ज्यादा है।

एफएसएसएआई ने हर्बल और फ्लावर ड्रिंक्स को चाय कहने पर लगाया प्रतिबंध

जड़ी-बूटियों पर आधारित ड्रिंक्स को 'चाय' के नाम से बेचना कानूनी रूप से गलत

मुंबई भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाने-पीने के कारोबारियों को चेतावनी दी है कि जड़ी-बूटियों और पौधों पर आधारित ड्रिंक्स को चाय के नाम से बेचना अब कानूनी रूप से गलत होगा। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि केवल कैमेलिया साइनेंसिस नामक चाय के पौधे से बनी ड्रिंक ही चाय कहलाने के योग्य है। एफएसएसएआई के अनुसार कई कंपनियां अपने उत्पादों को 'हर्बल टी', 'फ्लावर टी', 'रुइबोस टी' जैसे नामों से बेच रही हैं, जबकि ये असली चाय से नहीं बने हैं। ऐसे मामलों में उपभोक्ता को गुमराह किया जा रहा है। नियामक ने कहा कि इस तरह की ब्रांडिंग अब कानूनी तौर पर मान्य नहीं होगी और इसके लिए कार्रवाई की जा सकती है। एफएसएसएआई ने मैन्युफैक्चरर्स, पैकर्स, मार्केटर्स, सेलर्स, आयातकों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे इस नियम का पालन करें। इसके अलावा राज्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों बाजारों में नियमों की निगरानी करेंगे और उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। रेगुलेटर का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को सही जानकारी देने और खाद्य उत्पादों की गलत ब्रांडिंग को रोकने के लिए उठाया गया है। इससे उपभोक्ता यह जान सकेंगे कि जो ड्रिंक वे खरीद रहे हैं, वह असली चाय है या जड़ी-बूटियों और पौधों से बना हर्बल ड्रिंक।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 367.25 अंक, निफ्टी 99.80 अंक नीचे आया

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट कम कारोबार होने से आई है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 367.25 अंक करीब 0.43 फीसदी टूटकर 85,041.45 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.80 अंक फिसलकर 26,042.30 पर बंद हुआ था। आज करोबार के दौरान आईटी शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। निफ्टी आईटी इंडेक्स एक फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, रियल्टी, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा शेयर गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी, मेटल और कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही।

लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर नीचे आये। निफ्टी मिडकैप 136.90 अंक नीचे आकर 60,314.45 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 13.50 अंक टूटकर 17,695.10 पर थे।सेंसेक्स पैक में टाइटन, एनटीपीसी, एचयूएल, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, बीईएल, एमएंडएम और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। व्यापक बाजार में भी आज गिरावट रही।

घरेलू इक्विटी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। इसका कारण साल के अंत में छुट्टियों के कारण होने वाले कम कारोबार के साथ ही मुनाफा फावसूली हावी रहना भी था। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। के साथ हुई। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला, जिससे शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 183.42 अंक गिरकर 85,225.28 के स्तर पर पहुंच गया। वहींनिफ्टी 46.45 अंक फिसलकर 26,095.65 पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले बुधवार को बाजार बंद होने से पहले सेंसेक्स 116.14 अंक की गिरावट के साथ 85,408.70 पर और निफ्टी 35.05 अंक टूटकर 26,142.10 पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट कमजोर रहा। अमेरिकी और भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को क्रिसमस की छुट्टी के कारण बंद थे। इस बीच, ब्रेंट क्रूड ऑयल 0.11 फीसदी बढ़कर 62.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

टाटा सिएरा को 11.49 लाख रुपये की एक्स-शोरूम पर किया लॉन्च

नई दिल्ली

पिछले कुछ दिनों से कई लोग टाटा सिएरा की ही बातें कर रहे हैं। कंपनी ने इस कार को 11.49 लाख रुपये की एक्स-शोरूम पर लॉन्च करके मार्केट में हलचल मचा दी है। हालांकि, जाहिर है कि यह कार इतने रुपये में तो नहीं बिकेगी।

एक्स-शोरूम कीमत में कई अन्य खर्चे जोड़े जाते हैं तब जाकर कार की ऑन-रोड प्राइस आती है जिसका ग्राहक को पेमेंट करना होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि सिएरा की ऑन-रोड कीमत कितनी है? जो लोग इस कार को खरीदने का प्लान कर रहे हैं उनके लिए यह जानना जरूरी हो जाता है। बता दें कि टाटा सिएरा को पेट्रोल और डीजल इंजन के साथ कई अलग-अलग वेरिएंट्स में लाया गया है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल के लिए 21.29 लाख रुपये तक जाती है। टाटा सिएरा का बेस वेरिएंट स्मार्ट प्लस के नाम से आता है। यह वेरिएंट पेट्रोल इंजन के साथ आता है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत 11,49,000 रुपये है। नई दिल्ली में इसे खरीदने पर इसमें 1,14,900 रुपये आरटीओ यानी रोड टैक्स के लिए जोड़े जाएंगे। इसके बाद इसमें 55,041 रुपये इंश्योरेंस के लिए और 11,490 रुपये अन्य खर्चों के लिए जोड़े जाएंगे। इन सभी खर्चों को जोड़ने के बाद कुल कीमत होती है 13,30,431 रुपये और यही नई दिल्ली में सिएरा के बेस वेरिएंट की ऑन-रोड कीमत है। आपको इतने रुपयों का ही पेमेंट करना होगा।

जब से सिएरा लॉन्च हुई है तब से इसने मार्केट में धमाल मचा रखा है।

इसके फीचर्स ने सभी का ध्यान खींचा। यह कार कई सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स के साथ आती है। साथ ही इसमें कई प्रीमियम फीचर्स जैसे कि पैनोरमिक सनरूफ, एलईडी लाइट्स, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, अंडर थाई सपोर्ट और वायरलेस चार्जर आदि दिए गए हैं।

जनवरी 2026 में 16 दिन बैंक बंद रहेंगे

साप्ताहिक अवकाश और राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय त्योहार भी शामिल

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनवरी 2026 के लिए बैंक छुट्टियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। इस महीने में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे, जिनमें साप्ताहिक अवकाश और राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय त्योहार शामिल हैं। साप्ताहिक अवकाश के अंतर्गत प्रत्येक रविवार यानी 4, 11, 18 और 25 जनवरी को बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा महीने का दूसरा और चौथा शनिवार, 10 और 24 जनवरी को भी बैंक बंद रहेंगे। मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय छुट्टियों में 1 जनवरी को नया साल, 2 जनवरी को नए साल का जश्न और 3 जनवरी को हजरत अली का जन्मदिन शामिल हैं। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर कोलकाता में बैंक बंद रहेंगे। 14 और 15 जनवरी को मकर संक्रांति और पोंगल के त्योहार के चलते अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और अन्य शहरों में बैंक नहीं खुलेंगे। 16 और 17 जनवरी को चेन्नई में तिरुवल्लुवर दिवस और उझावर थिरुनाल पर छुट्टी रहेगी। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती और बसंत पंचमी पर कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। 26 जनवरी को पूरे देश में गणतंत्र दिवस के कारण बैंक बंद रहेंगे। हालांकि छुट्टियों के दौरान ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी।

इस साल बाजार निवेशकों की पूंजी 30 लाख करोड़ बढ़कर 475 लाख करोड़ के पार

एफआईआई ने इस साल अब तक 1.57 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस साल अब तक 1.57 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं, जो पिछले साल की 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है। जनवरी में सबसे ज्यादा लगभग 78,000 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक एफआईआई ने 40,227 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। दिसंबर में भी बिकवाली जारी रही और इस महीने अब तक 13,177 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए हैं। भारी बिकवाली के बावजूद बीएसई सेंसेक्स ने 78,507 से बढ़कर 85,408 तक की छलांग लगाई यानी करीब 9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

एनएसई निफ्टी-50 सूचकांक भी 2025 में लगभग 9 प्रतिशत बढ़ा। सूचीबद्ध कंपनियों की कुल पूंजी इस साल 444 लाख करोड़ से बढ़कर 475 लाख करोड़ रुपये हो गई। सोने के दाम इस साल बढ़कर 1.40 लाख रुपये प्रे ति 10 ग्राम हो गए, जबकि चांदी के दाम 1.77 लाख से बढ़कर 2.27 लाख रुपये प्रति किलो हो गए।

इसने निवेशकों को अच्छा मुनाफा दिया। इस साल 103 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाए। हालांकि, स्मॉल और मिडकैप शेयरों में

निवेशकों को उतना लाभ नहीं मिला। इसके बावजूद बाजार पूंजी में कुल 30 लाख करोड़ रुपये की तेजी दर्ज हुई। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार अगले वित्त वर्ष में निफ्टी की आय में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

सोना 722 रुपए बढ़कर 1,38,819, चांदी भी 8,009 रुपए महंगी

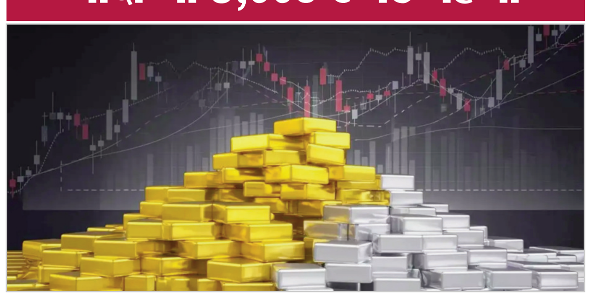

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर

मुंबई

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। इस सप्ताह लगातार चौथे कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार में सोने और चांदी की कीमतें सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। मजबूत वैश्विक संकेतों और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के कारण कीमती धातुओं में यह उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के वायदा भाव में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत हुई।सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 477 रुपये की तेजी के साथ 1,38,574 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,38,097 रुपये था। इस समय सोना 722 रुपये की तेजी के साथ 1,38,819 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोने ने 1,38,991 रुपये का अब तक का सर्वोच्च स्तर भी छू लिया। वहीं चांदी के वायदा भावों में भी रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 584 रुपये की बढ़त के साथ 2,24,374 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछले सत्र में चांदी 2,23,790 रुपये पर बंद हुई थी। कारोबार के दौरान चांदी 8,009 रुपये की उछाल के साथ 2,31,799 रुपये तक पहुंच गई। दिन के दौरान इसने 2,32,741 रुपये प्रति किलो का ऑल टाइम हाई दर्ज किया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,523.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और कारोबार के दौरान 4,561.60 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं, चांदी 72.72 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 75.49 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया।

योद्धा ने नया इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर योद्धा ट्रिवो किया लॉन्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक कॉमर्शियल मोबिलिटी कंपनी योद्धा ने अपना नया इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर योद्धा ट्रिवो लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे खास तौर पर शहरों में सामान पहुंचाने और माल ढुलाई की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया है।

यह एक हेवी ड्यू एल5 इलेक्ट्रिक कार्गो 3-व्हीलर है, जिसे लेकर कंपनी का कहना है कि यह मजबूत बिल्ट और स्मार्ट टेक्नॉलजी के साथ ही जीरो-एमिशन परफॉर्मेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन पेश करता है।

योद्धा ट्रिवो की एक्स शोरूम प्राइस 4.35 लाख रुपये से शुरू होकर 4.75 लाख रुपये तक जाती है। ट्रिवो योद्धा का भारतीय बाजार में दूसरा प्रोडक्ट है। इससे पहले योद्धा ईपीओडी के रूप में इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा लॉन्च किया गया है, जो कि बेहतर माइलेज और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की बदौलत अपने सेगमेंट में अच्छा कर रहा है। अब योद्धा ने ट्रिवों के रूप में इलेक्ट्रिक कार्गो सेगमेंट में एंट्री मारी है, ताकि भारत में बढ़ती लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स की मांग को पूरा किया जा सके।

योद्धा ट्रिवो को अर्बन और सेमी-अर्बन सिटीज में भारी सामान ढोने के लिए पेश किया गया है। इसमें 10 किलोवॉट का पावरफुल इलेक्ट्रिक मोटर लगा है, जो कि 48 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड देने में सक्षम है। इसमें 11.8 केडब्ल्यूएच की फिक्स्ड बैटरी या 7.6 केडब्ल्यूएच की स्वैपेबल बैटरी का विकल्प मिलता है, जो कि एक बार फुल चार्ज होने पर 130 से 150 किलोमीटर तक चल सकता है।

यह रेंज इसे दिन भर के कामों के लिए पर्याप्त बनाती है। योद्धा ट्रिवो की बैटरी को फुल चार्ज होने में 4-5 घंटे लगते हैं। इसकी पेलोड क्षमता 1200 किलोग्राम की है। योद्धा ट्रिवो के फीचर्स की बात करें तो मजबूत मेटल बॉडी डिजाइन और पूरी तरह बंद केबिन इसे खास बनाता है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह हर मौसम में ड्राइवर को सुरक्षा और आराम देता है। इसमें 4.50-10 8 पीआर टायर लगे हैं। इसकी 13 डिग्री तक चढ़ने की क्षमता इसे फ्लाईओवर, रैंप और खराब सड़कों पर भी आसानी से चलने में मदद करती है।

भारत में सार्वजनिक बैंकों का एकीकरण तेज, विदेशी निवेश बढ़ा

पहले दो चरणों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक 27 से घटकर 12 रह गए

नई दिल्ली

सरकार ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बड़ा और विश्वस्तरीय बनाने की योजना तेज कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार इस दिशा में भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों के साथ चर्चा शुरू हो चुकी है। पहले दो चरणों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक 27 से घटकर 12 रह गए हैं। प्रमुख विलय में यूनाइटेड बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में, सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में, इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में, आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का यूनियन बैंक में और देना तथा विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय शामिल है। सरकार ने आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के एक अे धिकारी ने बताया कि रणनीतिक बिक्री मार्च 2026 तक पूरी होने की संभावना है। निजी बैंकिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश में तेजी देखी गई है। जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन ने यस बैंक में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी जबकि यूएई की एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने आरबीएल बैंक में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की। बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 पारित होने के बाद अब बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश संभव है। साथ ही,

जीएसटी दर में कटौती से बीमा कंपनियों को भी लाभ मिलेगा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में दो लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर को पार करने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को खेल में असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। 14 साल के वैभव ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपील और अंडर-19 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक पारियां खेली है उससे उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी होने लगी है। प्रशसंकों का मानना है जिस प्रकार सचिन अपने कैरियर की शुरुआत में खेलते थे। वैसे ही वैभव भी खेल रहे हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 5 से 18 साल के बच्चों को खेल, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान, समाज सेवा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इस साल कुल 20 बच्चों को इस सम्मान के लिए चुना गया था, जिनमें वैभव शामिल थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंद में 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया और लिस्ट ए क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

वह सबसे उम्र में रणजी और आईपीएल खेलने वाले बल्लेबाज हैं। वैभव को पिछले साल सबसे कम उम्र में आईपीएल अनुबंध मिला था। तब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। अपने पहले आईपीएल मैच से पहले इस क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर 19 मैच में 58 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वहीं साल 2024 में अंडर-19 एशिया कप में भी उन्होंने दो अर्धशतक के साथ ही 44 की औसत से 176 रन बनाए थे। वैभव ने

आईपीएल के पहले ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। तब उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे। अपने पहले आईपीएल में केवल सात पारियों में 14 साल के इस खिलाड़ी ने 36.00 की औसत और 206 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी बन गये। तब उन्होंने केवल 35 गेंदों में ही 7 चौके और 11 छक्के लगाकर शतक बनाया था। वहीं इंडिया अंडर 19 टीम के इंग्लैंड दौरे में वैभव ने 78 गेंदों में 143 रन बनाए जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे। ये इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक था।

विराट लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, बेवन का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के माइकल बेवन का रिकार्ड तोड़ा है। विराट ने 57.87 की औसत से रन बनाये जबकि बेवन ने 57.86

की औसत से बनाये थे।

विराट ने पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक लगाया था। वहीं इस बार उन्होंने 61 गेंदों में 77 रन बनाए की पारी खेली जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने ये रहन 126 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बनाये। इस पारी के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत अब सबसे ज्यादा 57.87 पहुंच गय है।

वहीं सबसे अधिक औसत के मामले में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के सैम हैन का औसत 57.76 है। वहीं भारत के चेतेश्वर पुजारा औसत के मामले में चौथे नंबर पर हैं। उनका औसत 57.01 जबकि भारत के ही रुतुराज गायकवाड़ का औसत 56.68 है।

विराट ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट तीन पारियों में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट ने अपनी अगली 6 पारियों में 146.00 के औसत से 584 रन बनाए।

रिंकू सिंह ने 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से लगाया शतक, टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होते ही दिखाया दम

राजकोट (एजेंसी)। रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतक लगाकर साबित कर दिया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत की टीम में उनका चयन क्यों हुआ है। रिंकू ने शुक्रवार 26 दिसंबर को राजकोट में चंडीगढ़ के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 मैच में फॉर्म में वापसी करते हुए 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। द्धष्ष्ट टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल होते ही उन्होंने अपना दम दिखाया और चयन को सही साबित किया।

उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू ने अपनी टीम को आगे बढ़कर लीड किया और 60 गेंदों में 106* रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उन्होंने चंडीगढ़ टीम से मैच पूरी तरह छीन लिया। यह रिंकू का दूसरा लिस्ट-ए शतक था। रिंकू की पारी में क्लीन हिटिंग और स्मार्ट शॉट सिलेक्शन देखने को मिला क्योंकि उन्होंने 11 चौके और चार छक्के लगाए। राजकोट में उनके रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से आए।

मैच की बात करें तो अभिषेक गोस्वामी के सस्ते में आउट होने के बाद उत्तर प्रदेश शुरुआती मुश्किल में आ गया था। वहां से, आर्यन जुयाल और ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाला और चंडीगढ़ के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 96 रनों की अच्छी साझेदारी करके पारी को संभाला। जुयाल ने 118 गेंदों में 7 चौकों और आठ छक्कों की मदद से शानदार 134 रन बनाए, जबकि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल ने 57 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 67 रनों का योगदान दिया।

एशेज सीरीज में बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले ही दिन गिरे 20 विकेट

-ऑस्ट्रेलिया को मिली 46 रनों की बढ़त

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। ऑट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 152 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद लगा कि इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अवसर था पर वह असफल रही और अपनी पहली पारी में 110 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार मैच में एक ही दिन में कुल 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने चार विकेट मिले।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड 4 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि ट्रेविस हेड ने अपना खाता नहीं खोला था। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 42 रनों की बढ़ मिली थी। इस प्रकार दिन के अंत में उनकी बढ़त 46 पर पहुंच गयी।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन बनाये। टीम के पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इंग्लैंड की आरे से जोश टंग से सबसे अधिक 5 विकेट लिए जबकि गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया।पहली पारी में टीम 45.2 ओवर में ही 152 रन पर ढेर हो गई। कंगारू टीम का एक भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा सका। इंग्लैंड की तरफ से टंग ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने जैक वेदराल्ड 10, मार्नस लाबुशेन 6, स्टीव स्मिथ 9, माइकल नेसर 35 और स्कॉट बोलैंड 0 का विकेट लिया। वहीं गस एटकिंसन ने दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

इसके बाद इंग्लैंड के बड़ा स्कोर बनाने के सपने को ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर की जोड़ी ने तोड़ दिया। टीम ने 16 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिये।

स्टार्क ने जैक क्रॉली को 5 और बेन डकेट को 2 जबकि नेसर ने जैकब बेथेल 1) और स्टार बल्लेबाज जो रूट को खाता खोले बिना ही पेवेलिन भेज दिया। । सबसे अधिक 41 रन हैरी ब्रूक ने बनाये।

इंग्लैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में ही 110 रन पर पेवेलिन लौट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 10 ओवर में एक मेडन सहित 45 रन देकर चार विकेट लिए। स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले जबकि मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम की कप्तान स्मिथ कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस टीम से बाहर हैं। वहीं स्पिनर नाथन लायन भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर की जगह गस एटकिंसन को शामिल किया है।

अमित मिश्रा ने बताया प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं ये चार टीमें

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा ने कहा है कि कोलकाता नाइटराइडर्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के प्ले ऑफ में पहुंच सकती हैं। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार गुजरात टाइटंस को भी खिताबी दौड़ में कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, केकेआर, एमआई, एसआरएच, आरसीबी और जीटी। मेरे ख?याल से इन पांच में से कोई चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेगी। वहीं अमित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताबी दावेदार नहीं माना है जिससे सभी को हैरानी हुई है। सीएसके पांच बार की विवेता रही है। मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने नीलामी से पहले ही पसंदीदा खिलाड़ियों का रिटेन कर अपनी टीम मजबूत की है। वहीं अन्य टीमों ने मिनी नीलामी के जरिये टीम की ताकत बढ़ायी है। केकेआर ने कैमरन ग्रीन को रिकॉर्ड 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि सनराइजर्स ने लियाम लिविंगस्टन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी और फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाएगा

वेंकटेश अय्यर के लिए आरसीबी की प्लेइंग 11 में जगह बनाना मुश्किल : पूर्व कप्तान

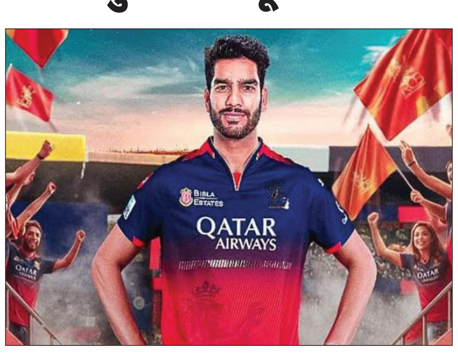

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की मिनी नीलामी में वेंकटेश अय्यर के लिए 7 करोड़ रुपए खर्च किए लेकिन पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इस आकर्षक टी20 लीग के शुरुआती चरण में इस तेज गेंदबाजी हरफनमौला को एकादश में जगह मिलना मुश्किल होगा। मौजूदा चैंपियन RCB ने इस महीने की शुरुआत में नीलामी में अय्यर की पूर्व टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को पीछे छोड़कर इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में हुई नीलामी में अय्यर, जैकब डफी और मंगेश यादव समेत कई खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीम को और मजबूत किया। 'जियोस्टार' के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा, 'वेंकटेश अय्यर के लिए शुरुआती एकादश में जगह बनाना मुश्किल होगा। आप जीतने वाली टीम में संदेह पैदा नहीं करना चाहते। इसी सोच के चलते फ्रेंचाइजी ने रवि बिश्नोई पर बोली नहीं लगाई ताकि सुयश शर्मा को किसी अनुभवी भारतीय स्पिनर से खतरा महसूस न हो।' उन्होंने कहा, 'RCB को लगा था कि अय्यर को कोई और फ्रेंचाइजी अधिक बोली लगाकर खरीद लेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए वे वेंकटेश अय्यर को पाकर खुश हैं।' कुंबले की कप्तानी में आरसीबी 2009 सत्र का उपविजेता बना था। वह 2011 में इस टीम के मुख्य कोच बने थे। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने आईपीएल विजेता टीम के मूल खिलाड़ियों को बरकरार रखकर अच्छा काम किया है।

चोपड़ा ने टी20 विश्वकप की अपनी पसंदीदा टीम में भी शुभमन को नहीं किया शामिल

-श्रेयस को कप्तान बनाया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम चुनी है। चोपड़ा की इस टीम में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है पर अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले टी20 विश्वकप के लिए जो भारतीय टीम घोषित की गयी थी उसमें भी शुभमन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अब चोपड़ा ने उन 15 खिलाड़ियों को शामिल किया, जो विश्व के लिए चुने जाने के दावेदार थे, पर उन्हें जगह नहीं मिली थी। दोनो ही टीमों में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अभी शुभमन को शीर्ष टॉप-30 टी20 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है।

पसंदीदा टीम घोषित करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन को इसलिए जगह नहीं दी है क्योंकि उन्हें टीम के लिए किसी एंकर की जरूरत नहीं थी। इस पूर्व बल्लेबाल ने कहा, हमने उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के लिए छोड़ दिया है। इस समय जो माहौल बनाया गया है, उसके अनुसार ही हमने उन्हें नहीं जगह दी है जबकि कहा जा रहा है कि हमें उन्हें लेना चाहिए था। कई लोग कहते हैं कि मैं शुभमन का समर्थन करता रहा हूं। इस बार तो मैंने भी उन्हें जगह नहीं दी है। वहीं विश्वकप के लिए चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि शुभमन की योग्यता पर कोई सवाल नहीं है पर इस समय टीम को किसी बल्लेबाज की नहीं बल्कि एक बैकअप विकेटकीपर की जरूरत थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम टी20 विश्वकप में सैमसन और अभिषेक को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतार सकती है जबकि ईशान किशन को रिजर्व खिलाड़ी रखा गया है।

शुभमन की जगह पर चोपड़ा ने भी यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत के लिए रखा है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और जितेश शर्मा को शामिल किया है। केएल राहुल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखे गये हैं। चोपड़ा ने साफ किया कि राहुल उनकी अंतिम ग्यारह में नहीं रहेंगे। चोपड़ा ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या को भी दल में शामिल किया है। चोपड़ा ने आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए इन दोनों को शामिल किया है।

चोपड़ा की टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पसंदीदा टीम

मुख्य खिलाड़ीः श्रेयस अय्यर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पंड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और भुवनेश्वर कुमार।

बेंचः मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विप्रज निगम, शशांक सिंह।

पहली बार आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं मंगेश

नई दिल्ली । पहली बार आईपीएल खेलने जा रहे मध्यप्रदेश के बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मंगेश यादव बेहद उत्साहित है। मंगेश ने कहा कि मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीसी) ने जब उन्हें 5.2 करोड़ रुपए में खरीदा तो उन्हें इसका भरोसा नहीं हुआ। ये उनके लिए किसी सपने के सच होने के समान है। मंगेश के अनुसार चार फ्रेंचाइजियों के बोली लगाने से भी वह हैरान थे। मंगेश 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। आरसीबी में वह तेज गेंदबाज यश दयाल की जगह शामिल किये गये हैं। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा है कि उन्हें अपने राज्य के अनुभवी खिलाड़ियों से जो सलाह मिली उससे भी उससे लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे सीनियर क्रिकेटरों रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर और आनंद राजन से भी सहयोग मिला है। आईपीएल में सफलता के उत्साह के बाद भी मंगेश का माना है कि घरेलू क्रिकेट सबसे अहम है और उसकी पर उनका ध्यान रहेगा। साथ ही कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना है।

इरफान पठान ने सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 के लिए की लखनऊ सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया है। पठान ने कहा कि जिस प्रकार से टीम ने मिनी नीलामी में खरीददारी की है। उसमें भी उसने गेंदबाजी पर ही जोर दिया। इससे उसके पास अच्छे गेंदबाज तो काफी हो गये हैं पर अच्छे बल्लेबाजों की उसे कमी है। की जरूरत है। पठान ने कहा टीम के पासा एनरिक नॉर्टजे जैसा तेज गेंदबाज और वानिन्दु हसरंगा जैस स्पिनर है। उसके पास तेज गेंदबाजी सहित सभी क्षेतों में अच्छे विकल्प हैं पर बल्लेबाजों की कमी नजर आती है। पठान ने कहा, आयुष बडोनी और अब्दुल समद के अलावा उसे एक और अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। मुझे उम्मीद थी कि वह लिविंगस्टोन जैसे किसी खिलाड़ी को खरीदेगा पर ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलाकर टीम को अभी भी कम से कम पांच अच्छे स्तर के बल्लेबाज चाहिये। उन्होंने स्ट्रेलियाई विकेटकीपर जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपए में खरीदने पर भी सवाल उठाते हुए कह कि उसे केवल चार आईपीएल मैचों के लिए खरीदना फायदेमंद नहीं है। हैं। वहीं पूर्व बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने कहा, अगर आप सुपरजायंटस के बल्लेबाजी क्रम को देखें तो वह भी सनराइजर्स की ही तरह ही आक्रामक हैं पर उसके बल्लेबाज लंब पारियां नहीं खेल सकते। इंग्लिस अगर पूरे सत्र के लिए उपलब्ध होते तो भी फायदेमंद नहीं रहते। इसका कारण है कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिए नहीं रखे गये हैं। अब्दुल समद, आयुष बडोनी, एडेन मार्करम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (कप्तान), निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, अवेश खान, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिगवेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंह।

हॉकी इंडिया लीग के बाद विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य हरमनप्रीत

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। । हरमनप्रीत ने कहा कि हॉकी इंडिया लीग के बाद टीम विश्व कप की तैयारी करेगी। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पिछले दो ओलंपिक में हमने कांस्य पदक जीते हैं जिससे विश्वकप में हम बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगे। हॉ लीग के बाद हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय रहेगा। हॉकी इंडिया लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी। लीग की शुरुआत 3 जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तमिलनाडु ड्रैगन्स बनाम हैदराबाद तूफान्स मुकाबले से होगी। इस लीग में कुल आठ टीमें शामिल होंगी जिसमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (डिफेंडिंग चैंपियन), वेदांता कलिंगा लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हैं। लीग सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। इसमें 23 और 25 जनवरी को क्वालीफायर मुकाबले के बाद 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल खेला जाएगा।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (RFP) पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया।

सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया। वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई।

जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उधयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे।

हरियाणा ने 1722 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि नेवी ने 1711 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर टीम वर्ग में हरियाणा ने 1705 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश ने 1689 के साथ रजत और नेवी ने 1667 के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिताएं शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को भोपाल स्थित एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी में जारी रहेंगी, जहां 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस महिला फाइनल आयोजित किए जाएंगे। दिन का पहला फाइनल सुबह 9:00 बजे शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप समर्थित असफुरा बने होंडुरास के राष्ट्रपति

तेगुसिगल्पा, एजेंसी। होंडुरास में राष्ट्रपति चुनाव में रूढ़िवादी नेता नस्री असफुरा ने जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के अनुसार, असफुरा को 40.3% वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी सल्वाडोर नसराला को 39.5% वोट मिले। यह चुनाव काफी करीबी रहा। नस्री असफुरा को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। जीत के बाद असफुरा ने कहा कि वह देश की सेवा के लिए तैयार हैं और जनता को निराश नहीं करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने असफुरा को बधाई दी और कहा कि अमेरिका उनके साथ मिलकर सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और अवैध आव्रजन जैसे मुद्दों पर काम करना चाहता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव परिणाम स्वीकार करने की अपील भी की। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाउ ने भी असफुरा और होंडुरास की जनता को चुनाव की सफलता पर बधाई दी। इससे पहले, डोनाल्ड ट्रंप ने होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ओरलांडो हर्नांडेज को माफी दी थी, जो अमेरिका में ड्रग तस्करी के मामले में सजा काट रहे थे।

मास्को में बम धमाका, दो पुलिस अधिकारियों समेत तीन की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस की राजधानी में बुधवार को हुए बम विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। धमाका येलेत्स्काया स्ट्रीट पर उस जगह के करीब हुआ, जहां कुछ दिन पहले एक वरिष्ठ जनरल की कार बम हमले में हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने जब एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने की कोशिश की, तभी उसने विस्फोट से उड़ा दिया। मारे गए अधिकारियों की पहचान इल्या क्लिमानोव और मैक्सिम गोर्बुनोव के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान डीएनए जांच से होगी।

इमरान की अंतरिम जमानत बढ़ी, बहनों का जेल के बाहर धरना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी कोर्ट ने इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की 9 मई हिंसा से जुड़े व अन्य कई मामलों में अंतरिम जमानत 27 जनवरी तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने इमरान को अगली सुनवाई में निजी/वीडियो लिंक से मौजूद होने का निर्देश दिया। उधर, पूर्व पीएम की बहनों अलीमा खान, नोरीन खान नियाजी व उज्मा खान ने रावलपिंडी में इमरान खान से अदियाला जेल में न मिलने देने के विरोध में धरना दिया।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में क्वाडकॉप्टर हमले में 4 बच्चे घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आवासीय क्षेत्र पर एक क्वाडकॉप्टर द्वारा विस्फोटक सामग्री गिराए जाने से कम से कम चार बच्चे घायल हो गए। यह घटना कुर्रम जिले के गोंडलबाद इलाके में घटी, जहां तीन लड़के और एक लड़की घायल हो गए। घायल बच्चों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादी समूह हमले करने के लिए क्वाडकॉप्टरों का इस्तेमाल तेजी से कर रहे हैं, खासकर तात्कालिक विस्फोटक उपकरण गिराने के लिए। इस वर्ष इस प्रकार की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय आदिवासी बुजुर्गों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'निर्दोष नागरिकों, विशेषकर बच्चों के खिलाफ हिंसा का एक क्रूर कृत्य' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य जानबूझकर गैर-लड़ाकों को निशाना बनाते हैं और इनका धर्म या मानवीय मूल्यों से कोई संबंध नहीं है। सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू कर दी है, वहीं हमले के बाद इलाके में और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

फ्रांस की डाक सेवा पर साइबर हमला, पार्सल डिलीवरी ठप

पेरिस, एजेंसी। क्रिसमस से ठीक पहले फ्रांस की राष्ट्रीय डाक सेवा ला पोस्टे पर हुए साइबर हमले ने पार्सल डिलीवरी और बैंकिंग सेवाओं को ठप कर दिया है। एक रूसी समर्थक हैकिंग समूह नोनेम057 ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पेरिस अभियोजक कार्यालय के अनुसार, फ्रांसीसी खुफिया एजेंसी डीजीएसआई ने मामले की जांच कर रही है। सोमवार को हुए इस डीडीओएस हमले के कारण कंपनी का मुख्य कंप्यूटर सिस्टम ऑफलाइन हो गया।

दो बच्चों की हत्या की आरोपी मां ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित

लंदन, एजेंसी। अपने दो बच्चों की हत्या की आरोपी 37 वर्षीय किम्बरली सिंगल को ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। किम्बरली पर दो साल पहले पति से विवाद के दौरान 9 साल की बेटी और 7 साल के बेटे की हत्या करने का आरोप है। कोलोरेडो स्प्रिंग्स पुलिस के अनुसार, दिसंबर 2023 में लंदन के चेल्सी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया था। घटना के समय किम्बरली की 11 वर्षीय बेटी घायल हुई थी।

खत्म हुआ 17 साल का इंतजार, बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान, खतरे में मोहम्मद यूनुस की गद्दी?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान आज 17 वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद लंदन से ढाका लौट चुके हैं। बांग्लादेश एयरलाइंस की विमान से वह सिलहट के उस्मानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे होते हुए ढाका लौटे। विमान सुबह करीब 9:58 बजे ढाका पहुंचा, जबकि हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इसके 11:50 बजे उतरने का कार्यक्रम है। तारिक रहमान की वापसी को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उनके आवागमन के लिए एक बुलेटप्रूफ वाहन पहले ही हवाई अड्डे पर पहुंचा दिया गया था, जो सुबह करीब 7:15 बजे वहां पहुंचा। इसी वाहन से वे हवाई अड्डे से विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने जाएंगे।

नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने सुरक्षा कारणों से हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम 6 बजे तक आगंतुकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, जबकि एसडब्ल्यूएटी टीमें भी अलर्ट पर रखी गई हैं।

कौन हैं तारिक रहमान : पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आगामी फरवरी में होने वाले आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे हैं। बीएनपी के प्रवक्ता रुहुल कबीर रिजवी ने जिया के बड़े बेटे रहमान की वापसी को जिक्र करते हुए कहा, 'यह एक निर्णायक राजनीतिक क्षण होगा।' उनके पिता जियाउर रहमान सैन्य शासक से नेता बने थे। जियाउर ने बीएनपी की स्थापना की। वह 1977 से 1981 तक राष्ट्रपति थे, जब उनकी हत्या कर दी गई थी।

तारिक रहमान बुधवार रात करीब 9:30 बजे लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान यूके बीएनपी के नेता और कार्यकर्ता उन्हें विदा करने के लिए मौजूद रहे। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विमान ने रात 12:30 बजे ढाका के लिए उड़ान भरी। वे इस यात्रा में अपनी पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान और बेटी बैरिस्टर जाइमा रहमान के साथ हैं। पार्टी के करीब 50 नेता और कार्यकर्ता भी इसी उड़ान से बांग्लादेश लौट रहे हैं।

बीएनपी सूत्रों के अनुसार, ढाका पहुंचने के बाद तारिक रहमान कुछ समय के लिए एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज 'राजनिगंधा' में रुकेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से कुरिल होते हुए 300 फीट क्षेत्र में बनाए गए स्वागत स्थल पर जाएंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे और दोपहर करीब 3:40 बजे तक वहां मौजूद रहेंगे। इसके बाद वे बाशुंधरा जी ब्लॉक गेट के रास्ते एवरकेयर अस्पताल पहुंचेंगे, जहां वे अपनी अस्वस्थ मां और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया के साथ लगभग एक घंटे बिताएंगे। शाम को वे अपने गुलशन स्थित आवास लौट जाएंगे।

तारिक रहमान के स्वागत में जुलाई 36 एक्सप्रेसवे पर तड़के से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ठंडे मौसम की परवाह किए बिना हजारों समर्थकों ने रात वहीं बिताई, ताकि अपने नेता की एक झलक पा सकें। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, देश के विभिन्न हिस्सों से बस, ट्रेन और नावों के जरिए समर्थक पहुंचते रहे, जिससे एक्सप्रेसवे पूरी तरह भर गया। आसपास के इलाकों से भी बीएनपी नेता और कार्यकर्ता जुलूसों के रूप में कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे।

ढाका हवाई अड्डे की ओर बीएनपी समर्थकों का मार्च : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थक ढाका हवाई अड्डे की ओर मार्च कर रहे हैं, जहां पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जल्द ही पहुंचने वाले हैं। वे 17 साल लंदन में निर्वासन में रहने के बाद बांग्लादेश लौट रहे हैं।

भारत के लिए क्यों मायने रखती है तारिक रहमान की वापसी : इस समय बांग्लादेश राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण हैं। अवामी लीग, जिसे भारत के करीब माना जाता है, चुनाव नहीं लड़ रही। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दौर में भारत से दूरी और पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ने के संकेत मिले हैं। कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी फिर से सक्रिय हुआ है, जिसे भारत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा मानता है। ऐसे में भारत को लगता है कि बीएनपी अपेक्षाकृत उदार और लोकतांत्रिक विकल्प हो सकती है, भले ही अतीत में भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास रही हो।

भारत-बीएनपी संबंधों में नरमी के संकेत : हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीमार खालिदा जिया के प्रति चिंता जताई। बीएनपी ने इसके लिए आभार जताया। वर्षों बाद दोनों पक्षों के बीच यह एक सकारात्मक संदेश माना गया।

रूस के याकूतिया में तापमान -56 डिग्री, ये धरती पर सबसे कम; -60 डिग्री पहुंचने की आशंका

मास्को, एजेंसी। रूस के याकूतिया में जबरदस्त ठंड पड़ रही है। यहां तापमान -56 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, जो इस समय धरती पर सबसे कम माना जा रहा है। इतनी ठंड में खुली जगह पर कुछ ही मिनटों में शरीर सुन्न हो सकता है। याकूतिया के टिकसी गांव में पिछले तीन दिनों से तेज बर्फीला तूफान चल रहा है। चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। तेज हवा के साथ उड़ती बर्फ ने लोगों का बाहर निकलना बहुत मुश्किल कर दिया है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी है और छोटे बच्चों के किंडरगार्टन भी बंद कर दिए गए हैं, ताकि बच्चे सुरक्षित रहें।

लगातार हो रही बर्फबारी से कई घरों के मुख्य दरवाजों तक बर्फ जम गई है। कुछ जगहों पर तो बर्फ इतनी ज्यादा है कि लोग अपने घरों से बाहर ही नहीं निकल पा रहे हैं। कई परिवारों को जरूरी सामान पाने में भी दिक्कत हो रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है और तापमान -60 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि बहुत जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर मदद पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत के राजदूत क्वात्रा ने अमेरिकी समकक्ष सर्जियो गोर से की मुलाकात, ट्रंप के आवास मार-ए-लागो पर हुई बैठक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दक्षिण व मध्य एशिया एशिया के विशेष दूत व भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मिलकर हमेशा खुशी वाली बात होती है। यह उनकी मार-ए-लागो की पहली यात्रा थी। राष्ट्रपति ट्रंप भी इस समय मार-ए-लागो में मौजूद हैं। वह क्रिसमय की छुट्टियों के लिए सप्ताहांत में फ्लोरिडा के पाम बीच पर स्थित अपने आवास पर पहुंचे थे। आज बाद में, वह उत्तरी अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ी संस्था (नोराड) के सैंटा कॉल कार्यक्रम में भाग लेंगे और ड्यूटी पर तैनात सैनिकों से फोन पर बात करेंगे। गोर ने मंगलवार को भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे की ट्रंप के साथ एक तस्वीर भी साझा की थी। उन्होंने लिखा, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे की फ्लोरिडा राज्य की पहली यात्रा के दौरान उनकी मेजबानी करके खुशी हुई।

ताइवान के आसपास नहीं थम रही चीन की सैन्य गतिविधियां, छह चीनी विमान और आठ युद्धपोत दिखे

ताइपे, एजेंसी। ताइवान की समुद्री सीमा के आस-पास चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार जारी है, ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने गुरुवार सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान चीन के छह सैन्य विमानों, आठ नौसैनिक जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी दर्ज की गई।

दो विमानों ने पार की एडीआईजेड : ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन छह विमानों में से दो विमान ताइवान और चीन के बीच मानी जाने वाली मध्य रेखा (मीडियन लाइन) को पार कर गए और ताइवान के उत्तरी तथा दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीआईजेड) में दाखिल हुए।

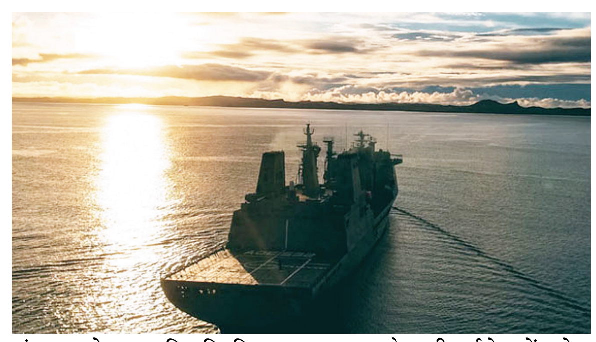

मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी गई और आवश्यक जवाबी कदम उठाए गए। इससे एक दिन पहले, बुधवार को भी ताइवान ने इसी तरह की गतिविधियों की जानकारी दी थी। उस दिन पांच चीनी सैन्य विमान, आठ नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास पाए गए थे। इनमें से एक विमान ने मीडियन लाइन पार कर ताइवान के एडीआईजेड में प्रवेश किया था। ताइवान का कहना है कि चीन की ये गतिविधियां उसकी सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हैं और वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सतर्क है।

पेंटागन रिपोर्ट में चीन की विस्तारवादी सोच पर चिंता : इसी बीच, अमेरिका के रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) की एक रिपोर्ट, जो अमेरिकी संसद को सौंपी गई है, ने चीन की व्यापक रणनीति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश को भी अपने तथाकथित मुख्य हितों में शामिल कर लिया है।

दक्षिण चीन सागर, सेंकाकू द्वीप समूह पर चीन की नजर : रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के 'मुख्य हितों' में अब ताइवान, दक्षिण चीन सागर के समुद्री विवाद, सेंकाकू द्वीप समूह और भारत का अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। चीन का लक्ष्य 2049 तक 'चीनी राष्ट्र के महान पुनरुत्थान' को हासिल करना बताया गया है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि ताइवान समेत विवादित क्षेत्रों का एकीकरण उनके लिए राष्ट्रीय पुनरुत्थान की 'स्वाभाविक आवश्यकता' है। इससे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में धमाका, 1 की मौत; बदमाशों ने फ्लाईओवर से पेट्रोल बम फेंका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बम ब्लास्ट हुआ है। पुलिस के मुताबिक माघ बाजार इलाके में बदमाशों ने फ्लाईओवर से पेट्रोल बम फेंका, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम करीब 7 की है। मृतक की पहचान सैफुल के रूप में हुई है। वह सड़क किनारे एक चाय की दुकान पर खड़ा था, तभी ऊपर से फेंका गया पेट्रोल बम उसके ऊपर गिरा। हातिरझील थाना पुलिस ने बताया कि धमाके में सैफुल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

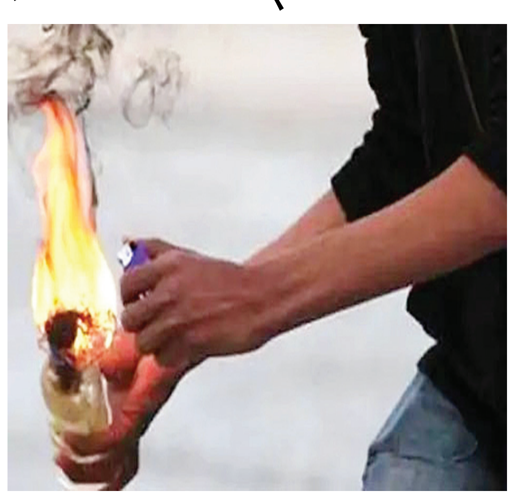

चक्रवात से श्रीलंका में कृषि क्षेत्र को व्यापक क्षति : एफएओ

कोलंबो, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य-कृषि संगठन (एफएओ) ने कहा है कि चक्रवात दित्वा से श्रीलंका में कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण आजीविका को व्यापक नुकसान पहुंचा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ से कृषि भूमि, फसल, पशुधन और मत्स्य संपत्तियों के साथ-साथ घरों में रखा खाद्य भंडार भी नष्ट हो गया। इस आपदा से अनुमानित 2,27,000 किसान प्रभावित हुए हैं, जिनमें छोटे धान उत्पादक नुकसान में रहे। 22 दिसंबर को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया कि चक्रवात ऐसे समय आया, जब किसान वर्ष 2026 की मुख्य फसल की बुआई कर चुके थे या बुआई के कार्य में लगे हुए थे। मत्स्य पालन क्षेत्र में कुल नुकसान का मूल्य 20.5 से 21.5 अरब के बीच है।

जापान : क्योटो में फैला बर्ड फ्लू, सीजन में इस तरह का 9वां मामला

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कृषि मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि जेनेटिक टेस्टिंग में क्योटो प्रांत के एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि हुई है। यह इस सीजन में देश में बर्ड फ्लू का नौवां मामला है। कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन मंत्रालय के अनुसार, यह मामला क्योटो प्रांत के कामेओका शहर में स्थित एक पोल्ट्री फार्म में सामने आया है। इस फार्म में लगभग 2 लाख 80 हजार अंडे देने वाली मुर्गियां पाली जाती हैं। स्थानीय प्रशासन को मंगलवार को इसकी जानकारी मिली।

उसी दिन फार्म की मुर्गियों पर रैपिड एवियन इन्फ्लूएंजा टेस्ट किया गया, जिसके नतीजे पॉजिटिव आए। इसके बाद बुधवार को आनुवंशिक जांच से यह साफ हो गया कि यह गंभीर किस्म का एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस है। नियमों के अनुसार, फार्म की सभी मुर्गियों को मारकर नष्ट किया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें जलाकर जमीन में दफन किया जाएगा। फार्म के तीन किलोमीटर के दायरे में आने वाले अन्य फार्मों से मुर्गियों और अंडों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। वहीं, तीन से दस किलोमीटर के क्षेत्र में स्थित फार्म बाहर के इलाकों में पोल्ट्री उत्पाद नहीं भेज सकेंगे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वायरस के और फैलाव को रोकने के लिए फार्म के आसपास कीटाणुनाशक छिड़काव तेज कर दिया गया है। बीमारी की जांच के लिए एक विशेष टीम भी भेजी गई है। जरूरत पड़ने पर मंत्रालय के विशेषज्ञ भी मौके पर जाएंगे। जापान में आमतौर पर बर्ड फ्लू का मौसम शरद ऋतु से लेकर अगले वसंत तक रहता है। इस मौसम में अब तक हुए आठ मामलों में करीब 24 लाख मुर्गियों को मारना पड़ा है।

देश में पहला मामला 22 अक्टूबर को सबसे उत्तरी प्रांत होक्काइडो में सामने आया था। बर्ड फ्लू को एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है। यह एक बीमारी है जो जंगली पक्षियों और मुर्गियों में फैलती है। यह वायरस एच5एन1 और एच9एन2 जैसे सब-टाइप से होता है। कभी-कभी यह बीमारी इंसानों को भी हो सकती है, लेकिन यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से नहीं फैलती। ज्यादातर मामलों में इंसान संक्रमित जीवित या मृत मुर्गियों के संपर्क में आने से बीमार हुए हैं।

वैश्विक समुद्री जल स्तर 1.4 मीटर तक बढ़ने का खतरा, तटीय शहरों के भविष्य पर मंडराता संकट

नुउक , एजेंसी। ग्रीनलैंड की सबसे विशाल बर्फीली धारा नॉर्थ ईस्ट ग्रीनलैंड आइस स्ट्रीम (एनईजीआईएस) पर महासागर की बढ़ती गर्मी का प्रभाव केवल एक क्षेत्रीय पर्यावरणीय बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्र-स्तर के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। ताजा वैज्ञानिक शोध बताता है कि अतीत में भी एनईजीआईएस का तेजी से पीछे हटना मुख्य रूप से गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी के कारण हुआ था, न कि केवल वायुमंडलीय तापमान बढ़ने से। यह समझ भविष्य के जलवायु मॉडल और समुद्र-स्तर की सटीक भविष्यवाणी के लिए निर्णायक मानी जा रही है। एनईजीआईएस ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर से निकलने वाली सबसे बड़ी आइस स्ट्रीम है। इसमें संचित बर्फ की मात्रा इतनी अधिक है कि यदि यह पूरी तरह पिघल जाए तो वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 1.1 से 1.4 मीटर तक बढ़ सकता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे ग्रीनलैंड की बर्फीली चादर की स्थिरता का सबसे संवेदनशील और निर्णायक हिस्सा मानते हैं। इसकी हलचल सीधे-सीधे तटीय शहरों, द्वीपीय देशों और करोड़ों लोगों के भविष्य से जुड़ी है।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय और डरहम विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पिछले 20,000 वर्षों के दौरान एनईजीआईएस के व्यवहार का विश्लेषण किया गया। यह अवधि अंतिम हिमयुग के अंत से लेकर आधुनिक काल तक फैली हुई है। शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए हैं।

शोध के अनुसार जब गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी इस ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है तो बर्फ नीचे से तेजी से पिघलने लगती है। इससे बर्फ की चादर कमजोर होती है और उसके टूटने या पीछे हटने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि लगभग 20,300 से 17,600 वर्ष पहले एनईजीआईएस का पहला बड़ा पीछे हटना इसी प्रक्रिया के कारण शुरू हुआ। उस समय वायुमंडलीय तापमान आज की तुलना में 15 से 20 डिग्री सेल्सियस कम था, यानी वातावरण बेहद ठंडा था। इसके बावजूद बर्फ का पिघलना यह साफ संकेत देता है कि उस दौर में गर्म महासागरीय पानी बर्फ के नीचे तक पहुंच चुका था।

15,000 साल पहले टूटी बर्फ की शेल्फ : करीब 15,000 वर्ष पहले हालात और अधिक गंभीर हो गए। गर्म अटलांटिक पानी आगे बढ़कर तैरती हुई बर्फीली शेल्फ के नीचे तक पहुंच गया। इसी समय वैश्विक स्तर पर हवा का तापमान भी तेजी से बढ़ने लगा। महासागर की गर्मी और बढ़ते वायुमंडलीय तापमान के संयुक्त प्रभाव ने बर्फ की शेल्फ को कमजोर कर दिया। नतीजतन शेल्फ टूट गई, ग्राउंडिंग लाइन अस्थिर हो गई और एनईजीआईएस ने बेहद तेजी से पीछे हटना शुरू कर दिया। यह अध्ययन ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक और तलछटी रिकॉर्ड में दर्ज बर्फ की शेल्फ टूटने के शुरुआती और सबसे ठोस प्रमाणों में से एक माना जा रहा है।

आज की स्थिति डराने वाली : आज वैज्ञानिक फिर से वही संकेत देख रहे हैं। गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी एक बार फिर ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे तक पहुंच रहा है। यह स्थिति अतीत से मिलती-जुलती है, जब बड़े पैमाने पर बर्फ पिघली थी और समुद्र-स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि मौजूदा जलवायु परिवर्तन की गति इसी तरह बनी रही, तो एनईजीआईएस भविष्य में फिर से अस्थिर हो सकती है और समुद्र-स्तर में तेज़ वृद्धि का जोखिम वास्तविकता बन सकता है।

अभिनेता रसेल ब्रांड पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न के दो नए मामले दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन रसेल ब्रांड के खिलाफ दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के दो नए मामले दर्ज किए गए हैं। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि ये नए आरोप दो अन्य महिलाओं की शिकायतों पर आधारित हैं। रसेल ब्रांड पहले से ही दुष्कर्म और यौन हमले के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, रसेल ब्रांड 20 जनवरी 2026 को इन नए आरोपों के संबंध में कोर्ट में पेश होंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

नवजात की सौदेबाजी : 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां महज सात दिन के एक नवजात शिशु को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने खुफिया सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया गया। गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक (डिकॉय बायर) को इस्तेमाल किया। सौदे की शुरुआती पुष्टि के तौर पर गिरोह को 20 हजार रुपये यूपीआई के जरिए दिए गए, जबकि बाकी 5.8 लाख रुपये नकद देने की बात तय हुई थी। जैसे ही डिकॉय ग्राहक ने सौदे की सूचना पुलिस को दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36), रेशमा शाहाबुद्दीन शेख (35), इगतपुरी निवासी एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह की एक अन्य सदस्य सबीना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल एक नवजात तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे शिशु तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय हो सकता है, जिसमें निःसंतान दंपतियों को निशाना बनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अब बच्चे की जैविक मां की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की इसमें भूमिका है। बरामद नवजात को फिलहाल एक विशेष देखभाल केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

वायु प्रदूषण बन रहा बड़ा स्वास्थ्य संकट, अस्पतालों में बढ़ी नए मरीजों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन गया है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की और दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। अगर तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है। सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30फीसदी बढ़ी है। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे।

अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल, बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णो ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया। उन्होंने बीजेपी को लेकर कहा कि छह साल पहले मैं बीजेपी में शामिल हुई थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। बीजेपी ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी।

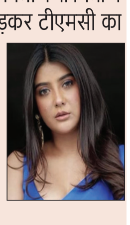

सेंगर को जमानत के विरोध में कोर्ट के बाहर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली सशर्त जमानत के खिलाफ महिलाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्नाव रेप पीड़िता के परिवार और महिला कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वहां विरोध प्रदर्शन गैर-कानूनी है और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर जाने की सलाह दी। पीड़िता की मां ने जमानत को अवैध बताकर कहा कि वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंगर की जमानत तुरंत खारिज होनी चाहिए और यदि न्याय नहीं मिला तो वे अन्य देशों में भी कानूनी उपाय ढूंढेंगी। महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया कि वे शांतिपूर्वक न्याय की मांग लेकर आई हैं और अगर याचिका पर सुनवाई नहीं हुई, तब विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना कर इस महिलाओं के आत्मविश्वास को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सेंगर को तकनीकी कारणों से क्लीन चिट देना देश में गलत मिसाल साबित करता है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी है, जबकि वह फिलहाल नाबालिग से रेप और पिता की हत्या मामले में जेल में हैं। जमानत शर्तों में 15 लाख रुपये का बेल बॉन्ड जमा करना शामिल है। सेंगर को पीड़िता के 5 किलोमीटर के इलाके में नहीं जाने और परिवार से संपर्क न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिता की हत्या के मामले में उनका जेल में ही रहना तय है और दिल्ली हाईकोर्ट में अपील लंबित है।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चैन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि संबंधित प्राधिकरणों और बाल अधिकार संरक्षण आयोगों द्वारा पेश किए गए हलफनामे यह विश्वास दिलाने में विफल रहे हैं कि वे अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ वेबसाइटों को ब्लॉक कर देना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि बाल यौन शोषण और अश्लील सामग्री ऑनलाइन जगत में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहती है। इस पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है जब यूजर-स्तर पर पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स उपलब्ध हों और अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि स्कूलों में चलाए जा रहे वर्तमान जागरूकता कार्यक्रम नाकाफी हैं। पीठ ने केंद्र और राज्य स्तर के बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को निर्देश दिया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में बाल अधिकारों और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को लेकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने अंत में टिप्पणी की कि हालांकि किसी सामग्री तक पहुंचना व्यक्ति का चुनाव हो सकता है, लेकिन बच्चों के मामले में समाज और सरकार की जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ जाती है। इसी के साथ अदालत ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस दिशा में सख्त कानून और व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

पावर सेंटर 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार की विदाई, रातों रात खाली हुआ राबड़ी का आवास

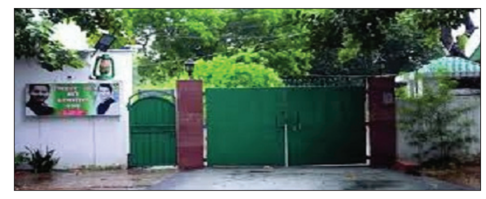

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास और बिहार की सियासत में करीब दो दशकों तक सत्ता और विपक्ष की धुरी रहा 10 सर्कुलर रोड बंगला अब खाली होने होने लगा है। राबड़ी देवी को राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद अब वहां से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार देर रात इस आवास से पिक-अप वैन के जरिए सामान बाहर निकलते देखा गया, जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह समाना किस स्थान पर भेजा गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, देर रात तक पिकअप वाहनों की आवाजाही जारी रही। नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक महीने पहले बंगला खाली करने का निर्देश दिया था। 2006 से 10 सर्कुलर आवास में रह रहे लालू परिवार के लिए सरकार ने हार्डिंग रोड में नया आवास आवंटित किया है। हालांकि, तब आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया था और इसे राजनीतिक विद्वेष बताया था। लेकिन अब सामान की शिफ्टिंग से स्पष्ट हो गया है कि परिवार ने बंगला खाली करने का मन बना लिया है। साल 2005 में सत्ता गंवाने के बाद लालू-राबड़ी परिवार 1 अणे मार्ग से निकलकर 10 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ था। तब से यह आवास राजद की हर छोटी-बड़ी गतिविधि का गवाह रहा है। इधर, पटना के महुआबाग इलाके में लालू-राबड़ी परिवार का निजी बंगला भी लगभग तैयार है। कहा जा रहा है कि भविष्य में लालू परिवार उसी निजी आवास में शिफ्ट हो सकता है।

महाराणा प्रताप पर टिप्पणी के बाद पंजाब के राज्यपाल को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर दी गई इस धमकी का कुछ लोग समर्थन करते भी नजर आ रहे हैं। ये धमकी क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से की गई एक पोस्ट में कटारिया के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

यह धमकी तीन दिन पहले उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए कटारिया के बयान के बाद सामने आई है। बता दें कि 22 दिसंबर को गोगुंदा में एक कार्यक्रम के दौरान कटारिया ने महाराणा प्रताप और उनके शासन को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धमकी या भड़काऊ बयानबाजी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटारिया के इस बयान को लेकर विभिन्न संगठनों और लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग धमकी भरी पोस्ट का समर्थन करते भी नजर आए, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। हालांकि, अब तक राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। कटारिया ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस बीच उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट किस अकाउंट से और किन हालात में की गई थी, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे किसी साजिश या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का इरादा तो नहीं है।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं हैं, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौरे की टाइमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। डबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते।

जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे जुड़ा है, हमें न पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और यह नफरत का नतीजा हैं।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह लाए गए जी-राम-जी कानून में राम के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया। महात्मा गांधी के नाम से योजना चल रही थी, उसमें क्या दिक्कत थी? प्रधानमंत्री किसी एक समुदाय के नहीं, पूरे देश के होते हैं। धर्म निजी आस्था हो सकती है, लेकिन शासन की प्राथमिकता नहीं। लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत समेत कई देशों में संस्थाएं दबाव में हैं। ईवीएम, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग को लेकर भरोसे की कमी है। दुनिया के कई देशों हंगरी, तुर्की, अमेरिका और भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर पित्रोदा ने कहा कि भारत को सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। हिंसा कहीं भी हो, उसका कोई औचित्य नहीं है। भारत अगर 'विश्व गुरु' बनना चाहता है तो पहले अपने पड़ोस बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थिरता और शांति के लिए नेतृत्व दिखाना होगा।

अरावली पहाड़ी मामला: जयराम रमेश ने उठाए सवाल कहा- ये केवल विनाशकारी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊँचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊँची हैं। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिन्हित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली हैं।

एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊँचाई के आधार पर सीमाएँ तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाल चाहे उसकी ऊँचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है।

क्षेत्रफल के लिहाज़ से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुँचाएगा।

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर ज़मीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

विशाल गीता पोथी यात्रा के साथ भागवत कथा की शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,नंदिनी परिवार सेवा समिति द्वारा वेसु स्थित नंदिनी-1 अपार्टमेंट ने आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत शुक्रवार को विशाल गीता पोथी यात्रा के साथ हुई। गीता पोथी शोभायात्रा सुबह छः बजे वेसू स्थित सिद्धिविनायक मंदिर से रवाना होकर नंदिनी प्रांगण में पहुंची। यात्रा में 700 महिलाएं गीता पोथी धारण कर एवं 200 पुरुष साथ में केसरिया ध्वज लेकर चल रहे थे।

दोपहर तीन बजे से आयोजित कथा में व्यास पीठ पर विराजमान आचार्य पवननंदन महाराज ने कहा की जन्म-जन्मांतर एवं युग युगांतर के पुण्य अर्जित होते हैं तब जाकर श्रीमद् भागवत कथा श्रवण का अवसर प्राप्त होता है। कथा श्रवण की इच्छा तो सभी रखते हैं लेकिन जिन पर भगवान की पूरी कृपा होती है उन्हीं को यह शुभ अवसर प्राप्त होता है। कथा के पहले दिन पूरा पंडाल श्रद्धालुओं से भरा हुआ था। कथा विराम से पूर्ण नंदिनी परिवार द्वारा आरती की गई।

दिल्ली में एक्यूआई फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में, जहांगीरपुरी और आनंद विहार सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो दिन मामूली सुधार रहने के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का एक्यूआई 310 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबक दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों में से कम से कम 24 केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' दर्ज की गई। इसमें जहांगीरपुरी और आनंद विहार 395 एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित इलाके रहे। वहीं लोधी रोड पर एक्यूआई 185 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। पिछले दो दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई थी। 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली' ने अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बने रहने का अनुमान लगाया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक वर्तमान में हवा की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है, जो प्रदूषक तत्वों के छितराव के लिए प्रतिकूल है। सीपीसीबी के मानकों के मुताबिक 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बेहद खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कोहरे ने धीमी की ट्रेनों की रफ्तार

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। राजधानी और हमसफर एक्सप्रेस जैसी अहम ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों के संचालन में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को अपडेटेड जानकारी प्राप्त करने की सलाह दे रहा है।

दो घंटे से अधिक लेट चलने वाली ट्रेनों में रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सप्त क्रांति एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बलिया-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष सवा चार घंटे, बनारस-आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस, सवा दो घंटे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस छह घंटे, मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर एक्सप्रेस पौने सात घंटे, हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट छह घंटे, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस छह घंटे, बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, बलिदानी कैप्टन तुषार महाजन ऊधमपुर-कोटा एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, कानपुर-नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस चार घंटे, राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, गोरखपुर-बठिंडा गोरखधाम एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस चार घंटे लेट चल रही हैं।

वहीं सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा चार घंटे, ललित ग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सवा चार घंटे, बनारस-नई दिल्ली शिव गंगा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष आठ घंटे, डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रे ढाई घंटे, सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, बरौनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष चार घंटे, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस तीन घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली कोलकाता राजधानी साढ़े चार घंटे, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस छह घंटे, लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई-हरिद्वार एसी एक्सप्रेस सात घंटे.

प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पौने चार घंटे, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पुरानी दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस चार घंटे, बलुरघाट-बठिंडा फरक्का एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, कामख्या-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, पौने आठ घंटे, आजमगढ़-पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, कटिहार-पुरानी दिल्ली चंपारण एक्सप्रेस ट्रेनें लेट चली रही हैं।

वहीं सवा नौ घंटे, देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रे सवा चार घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने पांच घंटे नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे लेट चल रही हैं।